>

Title: Regarding Panjtirthi Hydro Electric Project.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे को रखना चाहता हूं। हमारा सर्वे उज रिवर हाइडल इलैक्ट्रीक प्रोजेक्ट से 280 मेगावाट और इसमें 50 हजार मेगावाट का हाइडल इलैक्ट्रीक प्रोजेक्ट को उसमें रखने की बात कही थी। इस प्रोजेक्ट के लिए बार-बार डिसकशन हुआ है, हमने सरकार को लिखकर भी दिया। यहां से इसकी डीपीआर करवायी जानी थी। लेकिन जम्मू-कश्मीर सरकार के पास उतने इंताजामात नहीं है कि वह डीपीआर करवा सके। इसे भारत सरकार ही करवा सकती है। यह 80 साल पुराना मसला है। इसके कारण वहां के हालात खराब होते जा रहे हैं। यह ट्रिब्यूटरी उज-रावी रिवर की है। यह इंडस ट्रीटी में नहीं आती है। चूंकि यह ट्रीटी में नहीं आती है, इसलिए इसके पानी का इस्तेमाल कप्रीहेंसिवली किया जाता है। इसके इरीगेशन से 14 हजार एकड़ जमीन को पानी मिलना है। इससे 280 मेगावाट बिजली पैदा होनी है। जम्मू-कश्मीर में ऐसा कोई भी प्रोजेक्ट नहीं है, जिससे इरीगेशन किया जा सके क्योंकि वे सभी इंडस ट्रीटी के अंडर आते हैं। मेरी सबमीशन है कि सरकार इस पर पूरा ध्यान दे क्योंकि इससे किसानों को फायदा होना है।

MR. SPEAKER: You have mentioned it.

13.08 hrs.